

वार्तालाप 407, नागपुर (महाराष्ट्र) ता- 29.9.07  
Disc.CD No.407 dated 29.09.07 at Nagpur (Maharashtra)

जिज्ञासू – बाबा ये वेद माना जानकारी। तो ये शास्त्रों में जो चार वेद बताये हैं – अथर्ववेद, ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद। ये किस आधार पर और कैसे पड़े?

बाबा – कोई भी दुनिया की चीज, कोई भी वस्तु, कोई भी व्यक्ति, कोई भी समय का कम कितनी अवस्थाओं से गुजरता है?

जिज्ञासू – चार अवस्थाओं से।

बाबा – वेद जब आदि में बने तो कोई वेद तो आदि में बना होगा ना। तो सबसे ज्यादा सात्विक वेद कौन सा हुआ? ऋग्वेद। तो दूसरा नम्बर होगा, तो तीसरा नम्बर भी होगा और चौथा नम्बर भी होगा।

**Student:** Baba, *Ved* means information; so the four *Vedas* that have been described in the scriptures – *Atharvaved*, *Rigved*, *Samved* and *Yajurved*. On what basis were they named and how were these names coined?

**Baba:** Anything in the world, any material, any person, any action performed at any time passes through how many stages?

**Student:** Through four stages.

**Baba:** When *Vedas* were formed in the beginning, there must be one *Veda* that must have been created in the beginning, mustn't it? So, which is the most true (*satwik*) *Veda*? It is *Rigveda*. So, there will be the second number; so there must be a third number as well as a fourth number.

जिज्ञासू – बाबा जो भी मिनी मधुबन बनाये हैं वह बनाने के निमित्त वहां (उस) स्थान की एक आत्मा बनी है या सब आत्माओं के सहयोग से बना है?

बाबा – कोई स्थान देता है। जिसके पास स्थान है वो स्थान देता है। क्या? बिल्डिंग नहीं दी है। किसी ने स्थान दिया। तो कोई के पास धन है, तो उन्होंने बिल्डिंग बनाने के लिए धन दिया, कोई के पास घर में खाना-पीना रखा हुआ है, बर्तन-भांड़े रखे हुये हैं, तो वो देता है। जिसकी जितनी वसात है, विसात है, उतना देता है। लेकिन एक को देता है या अनेकों को देता है? एक को देता है। परन्तु देने वाले या ना देने वाले दोनों के कल्याण के लिए बनता है, सबके कल्याण के लिए बनता है या कोई पार्शलिटी (पक्षपात) होती है? सबके लिए है। तो ये नहीं कह सकते कि मिनी मधुबन जो भी बनाये जाते हैं वो कोई एक की धन-सम्पत्ति है या उस एक का वर्चस्व है। ये नहीं हो सकता है। अगर खुदा-ना-खास्ता कोई अपनी धौंस जमाने भी लगे कि हमने सबसे जास्ती सहयोग दिया – वो मिनी मधुबन आगे चलकर ज्यादा दिन नहीं चलेगा।

**Student:** Baba, regarding all the *Mini Madhubans* that have been established, did any one local soul become an instrument in establishing it or are they established with the help of all the souls?

**Baba:** Someone gives place. The one, who possesses land, gives land. What? Suppose someone did not give a building, he gave land. While, someone (else) has wealth, so he gave wealth to raise a building. Someone has eatables and drinks at home; he has utensils; so he gives that. Everyone gives according to his/her capacity. But does he give it to one or many? He gives it to one. But, is it (*Madhuban*) established for the benefit of everyone, the givers as well as those who do not give, or is there any partiality? It is for everyone. So, we cannot say that the *Minimadhubans* that are established are the wealth and property of any one individual or is dominated by that one person. This cannot be possible. If, by chance, someone starts behaving

arrogantly (saying) that he gave the maximum help, then that *Mini Madhuban* will not continue for long.

मधुबन माना ही मधुसूदन का घर। मधु और कैटव नाम के दो राक्षस हुये। उनको मारने वाले के नाम पर उसका नाम मधुसूदन पड़ा। शास्त्रों में तो कृष्ण को समझ लिया, लेकिन है किसके लिए? हैं? ये बात हैं शिवबाबा के लिए। शिवबाबा ही आकर हमको मधुबन में रहने लायक बनाता है। शिव अर्थात् कल्याणकारी। कल्याणकारी बाप आते हैं तो कल्याणकारी घर बनाते हैं। जो बेहद का घर है उसका नाम क्या है? हैं? परमधाम, शान्तिधाम। वहां आत्मार्ये शान्त में रहती है ना। सबसे मीठी स्टेज कौनसी होती है? आत्मिक स्टेज और आत्मा का घर है शान्तिधाम। उसको कहते हैं मीठे बाप का मीठा घर, आबू अब्बा का घर। जैसे निराकार में है, वैसे साकार में भी सम्पन्न स्टेज में होना चाहिए।

*Madhuban* means *Madhusudan's* house. There were two demons named *Madhu* and *Kaitav*. The name *Madhusudan* was coined on the basis of the person who killed both of them. In the scriptures they thought it was Krishna, but for whom is this (title) meant? Hum? It is for Shivbaba. Shivbaba Himself comes and makes us worthy of living in *Madhuban*. Shiv means benevolent (*kalyankari*). When the benevolent Father comes, He builds a beneficial house. What is the name of the unlimited home? Hum? The Supreme Abode (*Paramdham*), the abode of peace (*Shantidham*). The souls remain in peace there, don't they? Which is the sweetest stage? (It is) the soul conscious stage and the soul's home is the abode of peace. That is called the sweet Father's sweet home, the home of *Abu Abba*. Just as it is in an incorporeal form, it should be in a complete stage, in corporeal form too.

मिनी मधुबन होगा तो कभी ब्रॉड मधुबन बनेगा या नहीं बनेगा? हैं? महा मधुबन भी बनेगा, तब उसे कहेंगे — तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे। माना ऐसा भी संगठन हो जावेगा बच्चों का जहां सब बच्चे निराकरी स्टेज में होंगे। सब बच्चे मीठी स्टेज में होंगे। कोई किसी को दुःख देने वाली स्टेज में नहीं होगा। इसलिए उसका नाम रख दिया मधु माना मीठा और बन माना जंगल जैसी वैराग्य वृत्ति भी और मिठास वृत्ति भी। तो निमित्त किसी एक को कहेंगे क्या? हं? अगर कहें भी तो भक्तिमार्ग में नाम रख दिया है — मधुबन। जो भी नाम रखा है वो काम के आधार पर रखा होगा।

If there is a *minimadhuban*, then will a broad *madhuban* be created or not? Hum? When a *mahamadhuban* (big *madhuban*) is created, it will be said, you children will bring down the Supreme Abode to this world. It means that such a gathering will also be formed where all the children will be in an incorporeal stage. All the children will be in a sweet stage. Nobody will be in a stage of giving sorrow to anyone. That is why it was named *madhu* i.e. sweet and *van* means feeling of detachment as well as sweetness like in a jungle. So, will any one person be called an instrument? Hum? Even if he/she is called (an instrument), the name *Madhuban* has been coined in the path of *bhakti*. Whatever names have been coined, they would have been named on the basis of the tasks performed.

जिज्ञासू — बाबा जब कोई शरीर छोड़ता है।

बाबा — हाँ जी।

जिज्ञासू — तो उसको श्मशान की तरफ ले जाते समय पैर उसके श्मशान की तरफ रहते हैं और रेस्टप्लेस आता है माना विसावा देने का टाईम आता है तो उसका मुँह फेरा जाता है। इसका बेहद में अर्थ क्या है?

बाबा— यहां भी जो आत्मायें जीतेजी मरती जावेंगी तो उनका बुद्धि रूपी पांव इस दुनिया की तरफ होगा या शान्तिधाम की तरफ होगा? बाप के घर की तरफ होगा? (किसी ने कहा — बाप की तरफ होगा।) तो मुख घुमाय दिया जाता है।

**Student:** Baba, when someone leaves his body.

**Baba:** Yes.

**Student:** So, while taking the dead body towards the cremation ground, its legs are positioned towards the cremation ground and when the restplace comes, when the time to take rest comes, then its head is turned (towards the cremation ground. What does it mean in an unlimited sense?

**Baba:** All the souls (people) which will go on dying while being alive here; will their feet-like intellect be towards this world or towards the abode of peace? Will it be towards the Father's home? (Someone said – it will be towards the Father.) So, the head is turned.

जिज्ञासू — बाबा दादी ने शरीर छोड़ा है। तो जन्म लिया क्या?

बाबा— दादी जिसको अपना बाप समझती थी, करता—धरता, धनी—धोरी समझती थी, उन्होंने शरीर से जन्म लिया या सूक्ष्म शरीर से पार्ट बजाए रहे हैं? सूक्ष्म शरीर से पार्ट बजाए रहे हैं। उसीको उन्होंने दिखाए दिया संदेशियों के द्वारा कि मम्मा—बाबा ने नेपाल में जन्म लिया। अब उसका अर्थ कोई न समझे तो क्या किया जाए? बाप तो बेहद का बाप है। बेहद की बात बताते हैं। नेपाल में जन्म नहीं लिया। नई दुनिया की पालना करने वालों जो संगठन है, उसमें जाकर जन्म लिया।

**Student:** Baba, *Dadi* has left her body. So, has she taken birth?

**Baba:** Did the one, whom *Dadi* used to consider her father, her head, take birth physically or is he playing a part through the subtle body? He is playing a part through the subtle body. They have shown that through the messengers that Mamma and Baba have taken birth in Nepal. Well, if someone does not understand its meaning, then what can be done about it? The Father is an unlimited Father. He tells us things in an unlimited sense. He (Brahma Baba) did not take birth in Nepal. He took birth in the gathering which sustains the new world (*nayi duniya ki palna karnevale*).

जिज्ञासू — संदेश में कहा गया है ना कि बाबा माता—पिता हैं, ऐसे बहुत भक्ति में है इस तरह का। तो इसका बेहद में अर्थ कैसे निकला बाबा?

बाबा — जो दादी का परिवार होगा वो भक्तों का परिवार होगा या सूर्यवंशियों का परिवार होगा? भक्तों का परिवार होगा। तो जो भक्तों का परिवार होगा उसी में जाकर उनको सेवा करनी है। नहीं तो ब्रह्मा बाबा अपने साथ रखते ना सूक्ष्म वतन में। 10—12 दिन रहकर फिर क्यों हटाए दिया? इसलिए हटाए दिया कि उनकी दुनिया अलग, उनका ग्रुप अलग और ब्रह्मा उर्फ कृष्ण की सोल की आत्मा का ग्रुप अलग।

**Student:** Baba, it has been said in the message that her parents do a lot of *bhakti*. So, Baba what does it mean in an unlimited sense?

**Baba:** Will the family of *Dadi* be a family of devotees or a family of *Suryavanshis* (those belonging to the Sun dynasty)? It will be a family of devotees. So, she has to serve in the family of devotees. Otherwise, Brahma Baba would have kept her with him in the subtle world, wouldn't he? Why did he send her after keeping her for 10-12 days? He sent her because her world is different, her group is different and the group of Brahma alias Krishna's soul is different.

वो चंद्रवंशी ग्रुप है। कौनसा? जिसमें ब्रह्मा की आत्मा पार्ट बजाती है विशेष, और साकार दुनिया में आकर जब बीजरूप स्टेज में पार्ट बजाती है तो सूर्यवंशियों में पार्ट बजाती है। और दादी का ग्रुप अलग, या तो उनको पार्ट बजाना है कौनसे वंश में? इस्लाम वंश में या तो उनको पार्ट बजाना है मुस्लिम वंश में। क्यों? क्योंकि दादी जब जीवित थी, मम्मा जब जीवित थी, उस समय से ही उनका यह लक्ष्य था कि मैं बाबा की वारिसदार बनूँगी। तो जैसा लक्ष्य वैसे ही लक्षण आते हैं। बाबा बनेंगे सतयुग का पहला कृष्ण, प्रिन्स। जो पहला प्रिन्स बनेगा वो बनेगा सतयुग का पहला नारायण। वो पहला नारायण सोलह कला सम्पूर्ण होगा या कम कलाओं वाला होगा? सोलह कला सम्पूर्ण वाला होगा। फिर उनका जो उत्तराधिकारी होगा, वारिसदार होगा, वो प्रिन्स बनकर पैदा होगा ना। बड़ा होकर सेकेण्ड नारायण बनेगा ना। तो सेकेण्ड नारायण सोलह कला सम्पूर्ण होगा या कुछ कम कलाओं वाला होगा? गिरती कला का होगा या सम्पन्न सम्पूर्ण सोलह कला सम्पूर्ण होगा? गिरती कला का होगा। जैसा पुरुषार्थी वैसी प्रारब्ध वाला होगा।

That is a group of *Chandravanshis* (those of the Moon dynasty). Which? (It is) the group in which the soul of Brahma plays a special part and when he comes in the corporeal world and plays a part in the seed-form stage, he plays a part among the *Suryavanshis*. And *Dadi's* group is different; or she has to play a part, in which dynasty? She has to play a part either in the Islam dynasty or the Muslim dynasty. Why? It is because until *Dadi* was alive, until Mamma was alive, she (*Dadi*) had a goal to become the heir of Baba. So, as the aim, so are the characteristics. (Brahma) Baba will become the first Prince Krishna of the Golden Age. The first Prince will become the first Narayan of the Golden Age. Will that first Narayan be complete in 16 celestial degrees or will he have lesser celestial degrees? He will be complete in 16 celestial degrees. Then his successor, his heir will be born as a Prince (to him), will he not? He will grow up to become the second Narayan, will he not? So, will the second Narayan be complete in 16 celestial degrees or will he have lesser celestial degrees? Will he have decreasing celestial degrees or will he be complete in 16 celestial degrees? He will have reducing celestial degrees. As the *purushartha* (maker of special effort for the soul), so shall be the fruits he attains.

तो दादी ने जो लक्ष्य लिया वो लक्षण उनमें आ जाते हैं, इसलिए वो सतयुग में तो आवेंगी परन्तु कौन-सा नम्बर का नारायण बनेगी? नम्बर दो का नारायण बनेगी। (या) कहे की नम्बर तीन अर्थात् थर्ड क्लास का नारायण बनेगी। नम्बर तीन कैसे? संगमयुगी नारायण, नर से नारायण ये बाबा का दिया हुआ लक्ष्य है कि उसी जन्म में नर और उसी जन्म में नारायण। वो लक्ष्य कृष्ण उर्फ ब्रह्मा की सोल प्राप्त नहीं कर सकी। नर से नारायण बनने का। कौन सा लक्ष्य मिला? कि मैं अगले जन्म जाकर प्रिन्स बनूँगा। तो सोलह कला सम्पूर्ण सतयुग का पहला कृष्ण तो बनता है। फिर जो भी पीढ़ी दर पीढ़ी पैदाइश होती जावेगी उनकी कलायें घटती जावेंगी या वैसे ही बनी रहेंगी? घटती जावेंगी। इसलिए कहा थर्ड क्लास नारायण और थर्ड क्लास प्रजा। जैसा राजा वैसी प्रजा।

So, *Dadi* attains the characteristics according to the goal that she had set for herself; that is why she will definitely come in the Golden Age but which Narayan will she become? She will become number two Narayan (or) it could be said that she will become number three, i.e. third class Narayan. How is it number three? Confluence Age Narayan, i.e. (to transform) from man to Narayan, this is the goal given by Baba, that we should transform from a man to Narayan in the same birth. The soul of Krishna alias Brahma could not achieve that goal of transforming from a man to Narayan; which goal did he (Brahma Baba) receive? I will become a prince in the next birth. So, he does become the first Krishna (prince) of the Golden Age, complete in 16 celestial degrees. Then the children that are born generation by generation, will their celestial

degrees go on decreasing or will they remain constant? It will go on decreasing. That is why it has been said, third class Narayan and third class subjects. As the king, so are the subjects.

जिज्ञासू— बाबा, शिवबाबा कहते हैं कि रुद्रमाला के मणके जो हैं वो दिल से नहीं मिले हुये हैं। वो मजबूरी से मिले हुये हैं। बाबा ऐसी कौन-सी मजबूरी है जो वो मजबूरी से मिले है?

बाबा— ऐसी मजबूरी ये है — एक होता दिल और एक होता दिमाग। देव आत्माओं के पास ज्यादा दिमाग होता है कि दिल होता है? वो दिल वाले बाप के दिल वाले बच्चे होते हैं। कैसे दिल वाले? सच्चे दिल वाले या झूठे दिल वाले? सच्चे दिल वाले बच्चे होते हैं। उसका प्रूफ क्या है? उसका प्रूफ ये आता है — तन भी तेरा। क्या? सिर्फ कहने के लिए नहीं तन तेरा, प्रैक्टिकल में परीक्षा ले, तो भी तन तेरा और तन के जो सम्बन्धी है, बाल-बच्चे हैं, पत्नी है, वो तन का धन है या नहीं? वो भी तन का धन है। वो भी तेरा।

**Student:** Baba, Shivbaba says that the beads of the *Rudramala* are not united deep in their hearts, but are united under compulsion. Baba what is that compulsion?

**Baba:** The compulsion is , one is the heart (*dil*) and one is the brain (*dimaag*). Do the deity souls have more brain or more heart? They are the *dilwale* (those who have a big heart) children of the *dilwala* Father. What kind of a heart do they have? Do they have a true heart or a false heart? They are children with a true heart. What is its proof? Its proof is, (the slogan) the body also belongs to you. What? It should not be just for name sake, (that) the body belongs to you; even when he takes a test in practical, the body is yours and the relatives, children, wife ; do they constitute the wealth of the body or not? They also constitute the wealth of the body. That also belongs to you.

फिर स्थूल धन भी तेरा। क्या? कल-कारखाना हो, दुकान हो, मकान हो, आज है, तो भी खुश, और कल खलास हो जाये और बाप ने कहा तुम इस काम में लगा दो और लगा दिया और वो खलास हो जाये। तो अगर तेरा बनाया है तो अवस्था अच्छी रहेगी या तेरा सो मेरा बना लिया तो अवस्था अच्छी रहेगी? तेरा बनाया, अंदर से तो उसको हमने दिया वो जाने। मानलो गोल्डन फारेस्ट में लगाने वालों ने धन लगाया। लगाया? हं? लगाया। बाप ने भी सारा धन लगाया जो भी यज्ञ का था। फिर वो सुप्रीम कोर्ट ले गया। तो देने वालों को ये संकल्प आयेगा कि अरे, ये तो सब बर्बाद हो गया। ये कोई भगवान की चीज तो है नहीं। क्या? दिया तो हमने था, कमाया हमने था। हमको, दिल को दर्द होगा या जिसको दिया उसको दिल का दर्द होगा?

जिज्ञासू— जिसको दिया होगा उसको दर्द होगा। हं?

Then the physical wealth also is yours. What? Suppose someone has a factory, a shop, a house, today it is with him so he is happy; tomorrow if it perishes, i.e. the Father said , make use of it in this task, and if he invested it and that perishes. Will the stage remain good if he has made it 'yours (Baba's)' or will it remain good if he thinks about it 'everything of yours is mine'? If he made it 'yours', from within, (then he will think:) I gave it to Him, it is His responsibility. Suppose, the investors invested their money in Golden Forest. Did they invest? Hum? They invested it. The Father also invested the entire wealth of the *yagya* it. Then the Supreme Court took it all (under its custody). So, will this thought emerge to the givers: Arey, all this has been lost. It is not God's thing; what? It was we who gave it, we had earned it; will we, will our heart feel the pain or will the one to whom we gave it feel the pain?

**Student:** The one to whom they gave it will feel the pain. Hum?

बाबा— (किसी ने कहा – जिसको दिया होगा उसको होगा।) उनको दर्द होगा? होना चाहिए? होना तो नहीं चाहिए। तुमने दिया तो तुम्हारा रहा ही नहीं। जब तुम्हारा है ही नहीं तो तुमको दुःख क्यों होता है? जो निमित्त बना है लेने का वो दुःखी होना चाहिए; परन्तु वो दुःखी होता है क्या? (सबने कहा – नहीं।) वो भी दुःखी नहीं होता क्योंकि वो पहले ही तन, मन, धन सब तेरा। तो दुःख नहीं होगा। अगर तेरे को मेरा बना लिया, चालाकी करेगा तो दुःख होगा। हार्टफेल भी होगा। क्या? जैसे बेहद ब्राह्मण परिवार में बेहद के बच्चे पैदा होते हैं, उन बेहद के बच्चों को अगर अपना समझ लिया, मेरी बात मानें, और वो बच्चे कोई कांटा चुभोने वाली बात कर देते हैं, दिल तोड़ देते हैं। तो दिल अगर टूट गया, तो क्या कहेंगे? हें? क्या कहेंगे? हमने वो बच्चे भगवान के बनाये या अपने बनाये? अपने बना लिये।

**Baba:** (Someone said – the one to whom they gave will feel the pain.) Will they (the ones who gave) feel the pain? Should they feel the pain? They should not. When you have given it, it does not belong to you at all. When it does not belong to you at all, why do you become sorrowful? The one who is an instrument to receive it should become sorrowful, but does he become sorrowful? (Everyone said – No). He too does not become sorrowful because he has already given his body, mind and wealth to Him (the Supreme Soul), then he will not become sorrowful. If yours is converted into mine, if he shows any cunningness then he will feel sorrow, he will also suffer a heartfailure. What? For example, unlimited children are born in an unlimited Brahmin family, if you consider those unlimited children as those belonging to you, if you feel that they should listen to you, and if those children speak something that pinches like a thorn, if they break your heart, and if your heart breaks, then what will be said? Hum? What will be said? Did we make those children God's children or our own children? We made them our own.

ब्रह्मा बाबा को हार्ट फेल हो गया। दिल टूट गया ना। शास्त्रों में भी जिकर आया है, क्या? कि कृष्ण के पांव में यानि बुद्धि—रूपी पांव में किसी बहिलिये ने तीर मारा और वो प्राण पखेरु उड़ गये। अरे! महाभारत का इतना बड़ा युद्ध कराने वाला एक तीर लगने से ही खत्म हो गया। उस तीर की बात ही नहीं है, स्थूल तीर की। ये तो बेहद की बात है। जिसको वो अपना समझते थे, क्या? अपना अजीज बच्चा समझते थे वो अपना जिसको समझे और वो ही ऐसी बात कहे जो दिल टूट जाये तो दुःख होता है। अगर भगवान बाप का बनाये तो भगवान जाने, भगवान के बच्चे जाने, हमारे ऊपर कोई कुछ भी कहता रहे हमे उसका असर होने वाला नहीं।

Brahma Baba suffered a heart failure. He was heart-broken, was he not? It has been mentioned in the scriptures as well, what? Some hunter shot an arrow in the foot of Krishna, i.e. the foot-like intellect and he lost his life. Arey! The one who caused such a big war of Mahabharata died on being hit by just an arrow. It is not about that arrow, that physical arrow at all. It is about (an arrow) in an unlimited sense. The ones whom he used to consider his own; what? The ones whom he used to consider his dearest child if the one whom he considers his own tells him something that breaks his heart then he feels sorrow. If he makes them the children of God the Father, it is the responsibility of God and the children of God, if someone keeps saying something to us, it will not have any effect on us.

जिज्ञासू – बाबा जी।

बाबा— हाँ जी।

जिज्ञासू— जो कृष्ण को जन्म देने वाले माता—पिता हैं वो 150 वर्ष रहेंगे क्या? 150 वर्ष रहेंगे, सतयुग में 150 वर्ष की आयु है?



बाबा— सतयुग में लम्बी आयु किस आधार पर होगी? उसका कोई आधार होगा या नहीं होगा, निराधार बात है?

जिज्ञासू —संगमयुग में जो जन्म देने वाले माता-पिता होते हैं, जैसे भक्तिमार्ग में वासुदेव देवकी बोलते हैं। तो वो जन्म देंगे। तो 150 वर्ष रहेंगे क्या?

**Student:** Babaji.

**Baba:** Yes.

**Student:** Will the parents who give birth to Krishna live for 150 years? Will they live for 150 years, is the (average) age (of deities) in the Golden Age 150 years?

**Baba:** What will be the basis of longevity in the Golden Age? Will there be any basis or not, is it a baseless issue?

**Student:** There are parents who give birth (to children like Radha and Krishna) in the Confluence Age; they are called *Vasudev Devaki* in the path of *bhakti*. So, they will give birth. So, will they live for 150 years?

बाबा— आप सतयुग के कृष्ण की बात कर रहे हैं या संगमयुगी कृष्ण की बात कर रहे हैं?

जिज्ञासू — संगमयुगी कृष्ण की।

बाबा— उस कृष्ण की बात कर रहे हैं जिसके साथ कंसी जरासिंधी, शिशुपाल होते हैं, उसकी बात कर रहे हैं या जो कृष्ण सिर्फ देवताओं के बीच में जन्म लेता है, वहां कोई भी असुर नहीं होता है, उस कृष्ण की बात कर रहे हैं?

जिज्ञासू — संगमयुगी कृष्ण की।

**Baba:** Are you speaking about Krishna of the Golden Age or are you speaking about Krishna of the Confluence Age?

**Student:** About Krishna of the Confluence Age.

**Baba:** Are you talking about that Krishna with whom there are *Kansis*, *Jarasindhis*, *Shishupals* (villainous characters in the epic Mahabharat) or are you talking about Krishna who takes birth amongst deities, where there are no demons?

**Student:** About Krishna of the Confluence Age.

बाबा— संगमयुगी कृष्ण की बात कर रहे हैं। तो संगमयुगी कृष्ण को जन्म देने वाले के लिए मुरली में बोला है — कि संगमयुगी कृष्ण की बहुत महिमा है और उनको जन्म देने वाले की महिमा इतनी नहीं है। वो जेल में दिखाये जाते हैं। क्या? वो विकारों कि जेल में पड़े हुए हैं और कृष्ण स्वतंत्र हो गया। क्या? कोई प्रकार का दुःख नहीं।

जिज्ञासू— तो वो कहाँ रहते हैं बाबाजी?

**Baba:** If you are talking about the Confluence Age Krishna, then as regards the person who gives birth to Krishna of the Confluence Age it has been said in the *Murlis*, Krishna of the Confluence Age has been glorified a lot and the one who gives birth to him is not praised that much; they are shown in a jail; what? They are lying in the jail of vices, while Krishna became free. He doesn't have any kind of sorrow.

**Student:** So, where do they (parents of Krishna) live Babaji?

बाबा – अरे! द्वापर के अंत में कृष्ण को दिखाया है? कहते हैं कृष्ण द्वापर के अंत में आये और महाभारी युद्ध , महाभारत कराया और कलियुग की स्थापना हो गई। ये ही कहते हैं ना? शूटिंग पीरियड कौनसा है द्वापरयुग का। ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में द्वापर युगी शूटिंग पीरियड कौनसा है? कब से कब तक है? दुबारा भट्टी कर लो नहीं तो। भट्टी कर ली? कर तो ली, लेकिन सब भूल गये।

**Baba:** Arey! Has Krishna been shown at the end of the Copper Age? They say that Krishna came at the end of the Copper Age and he caused *Mahabhari* (massive) Mahabharata war and the Iron Age was established. They say this, don't they? Which is the shooting period of the Copper Age? Which is the shooting period of the Copper Age in the Confluence Age world of Brahmins? From when to when? Otherwise, do the *bhatti* again. Have you completed the *bhatti*? You have completed it, but you have forgotten everything.

भट्टी में ये खास बताया जाता है कि ब्रॉड ड्रामा जो पाँच हजार वर्ष का है सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग, चार सीनवाला उस ब्रॉड ड्रामा की शूटिंग तब होती है जब भगवान कलियुग के अंत में आकर सतयुग बनाता है। तब रिकार्डिंग होती है। पूरे ड्रामा की रिहर्सल होती है। उस रिहर्सल में पहले देवता वर्ण की शूटिंग होती है 40 वर्ष। क्या? किसके द्वारा? मिडिया कौन बनता है? कृष्ण की सोल। सृष्टि चक्र में राधा कृष्ण को दिखाया है ना, तो कृष्ण की आत्मा 40 वर्षों के संगमयुग में निमित्त बनती है साकार में और वो 40 वर्ष जब पूरे होते हैं तो ब्रह्मा कितने साल का हो जाता है? 60 साल में प्रवेश किया और 40 साल दूसरे, तो सन् 76 में जो आदि ब्रह्मा है वो 100 साल का हो जाता है।

It is especially told during the *bhatti* that the five thousand year old broad drama with the four scenes: the Golden Age, the Silver Age, the Copper Age, the Iron Age; the shooting of that broad drama takes place, when God comes at the end of the Iron Age and establishes the Golden Age. At that time the recording, the rehearsal of the entire drama takes place. In that rehearsal initially the shooting of the deity class takes place for 40 years. What? Through whom? Who becomes the media? The soul of Krishna. Radha and Krishna have been shown in the world cycle (*shrishti chakra*), haven't they? So, the soul of Krishna becomes an instrument for 40 years in the Confluence Age, in a corporeal form and when those 40 years are over, then what is the age of Brahma? He (the Supreme Soul) entered at the age of 60 years (of Prajapita) and 40 years (are added to it). So, in the year (19)76, the first Brahma (*Aadi Brahma*) becomes 100 years old.

ये आदि ब्रह्मा की बात हुई और जो टाईटल धारी ब्रह्मा है वो टाईटल धारी ब्रह्मा, उसमें पहले बाप का प्रवेश होता है या ओरिजनल ब्रह्मा में पहले प्रवेश होता है? ओरिजनल ब्रह्मा में सन् 36 में प्रवेश हुआ। उसने जो संस्था रची, जो संगठन बनाया, उसका नाम ब्रह्मा कुमारी विद्यालय नहीं, ओम् मंडली, जिसके लिये कहा जाता है की ओम् मंडली इज दि रिचेस्ट इन द वर्ल्ड। बाद में टाईटल धारी ब्रह्मा जब आता है, दादा लेखराज कृष्ण में जब शिव की प्रवेशता होती है, तो कराची से मुरली निकलती चली आई। उस समय से किसी के बुद्धि में, कोई बच्चे हैं जिनकी बुद्धि में ये बात आई और ब्रह्मा ने उस बात को सपोर्ट किया कि ओम् मंडली नाम खलास। क्या रखना चाहिए? ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय।

This is about the first Brahma and as regards the titleholder Brahma, does the Father initially enter in that titleholder Brahma or does He first enter in the original Brahma? He entered the original Brahma in the year (19)36. The institution that he (first Brahma) created, the organization that he (first Brahma) established, was not named Brahmakumari Vidyalay, (it was



named) *Om Mandali*, for which it is said, '*Om Mandali* is the richest in the world'. Later on, when the titleholder Brahma comes, when Shiv enters Dada Lekhraj Krishna, then *Murli* began to be narrated since the days of Karachi. Since then, it occurred in someone's intellect, in the intellect of some children and Brahma supported that idea, the name *Om Mandali* should be removed. What should it be? (It should be) Brahma Kumari Ishwariya Vishwa Vidyalay.

प्रजापिता क्यों हटाय दिया? प्रजापिता का नाम क्यों हट गया? प्रजापिता होना चाहिए या नहीं होना चाहिए? होना चाहिए। लेकिन नहीं हुआ। कारण क्या? क्योंकि ब्रह्मा खुद ही नहीं जान सके अपने रचियता को। ब्रह्मा का रचियता बाप कौन – वो ब्रह्मा की बुद्धि में नहीं आया। इसलिए सन् 47 से लेकर जो फाउन्डेशन बुद्धि में पड़ा वो माउण्ट आबू में आने तक और दिल्ली में पहला सेंटर खुलने तक वो गुप्त रहा। अंदर-2 जानते रहे कि ये ब्रह्मा है लेकिन पब्लिक ने तब जाना जब ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नाम पड़ गया। और लोगों को समझाया गया कि ब्रह्मा के द्वारा इस संस्था की शुरुआत होती है। ब्रह्मा निमित्त बनता है। तो ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नाम पड़ गया। वो जो टाईटिल धारी ब्रह्मा है वो सन् 47 से उसमें शिव ने प्रवेश किया। तब नाम पड़ा ब्रह्मा। उससे पहले उनका नाम ब्रह्मा नहीं था। और ना कोई ब्रह्माकुमार-कुमारी थे। ओम् मण्डली के सत्संगी थे; लेकिन कोई नहीं जानते थे कि हम ब्रह्माकुमार-कुमारी हैं।

Why was the word 'Prajapita' removed? Why was the name of Prajapita removed? Should the word 'Prajapita' be there or not? It should be there. But it was not included. What was the reason? It is because Brahma himself could not know his creator. It did not occur in the intellect of Brahma, who is the creator, the father of Brahma. That is why the foundation that was laid in the intellect, from the year (19)47 to the days when they shifted to Mt. Abu and till the first center was opened in Delhi, remained secret. In their minds they knew that this is Brahma, but the public came to know when the name, Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya was coined and people were explained that this institution is established by Brahma. Brahma becomes instrumental. So, the name Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya was coined. Shiv entered that titleholder Brahma from the year (19)47. Then he was named Brahma. Prior to that he was not named Brahma, nor were there any Brahmakumar-kumaris. They were the attendants of the gathering of *Om Mandali*, but nobody knew that they were Brahmakumar-kumaris.

तो जो टाईटिलधारी ब्रह्मा है नम्बर दो का ब्रह्मा, आदि ब्रह्मा नहीं, उसकी आयु सौ साल कब पूरी होती है? 47 में 60 साल, तो 100 साल आयु कब पूरी हुई? 87 में पूरी होती है। 88-89 में वो आत्मा मृत्युलोक में ब्रह्मा समाप्त होने के हिसाब से कौन से लोक में जाती है? अमरलोक में जाती है। उस अमरलोक का चित्र दिखाया हुआ है, शास्त्रों में। पीपल के पत्ते पर गर्भमहल में बड़े आराम से स्मृति का अंगूठा चूसते हुआ कृष्ण का चित्र दिखाते हैं। वो पीपल का पत्ता कौन? जो जगदम्बा का पार्ट है वो ही पीपल का पत्ता है। पीपलपात सरस मन डोला। जैसे पीपल का पत्ता थोड़ी हवा चले या ना चले, फिर भी हिलता रहता है। ऐसे ही वो आत्मा बहुत हिलती-डुलती है; लेकिन बाप का विरुद्ध है – नैय्या हिलेगी-डुलेगी लेकिन डूबेगी नहीं है। क्योंकि खिवैया साक्षात् बाप है। बिटैया साक्षात् कृष्ण की आत्मा है। उस गर्भमहल में 88-89 में किसने प्रवेश किया? कृष्ण की सोल, ब्रह्मा की सोल प्रवेश कर जाती है। और प्रवेश करके जब 9-10 वर्ष पूरे होते 98 में, तो गर्भमहल से बाहर आती है। बाहर आती है तो बाहर आना माना प्रत्यक्ष होना।

So, the titleholder Brahma, the number two Brahma, not the first Brahma; when does he reach the age of hundred years? He was 60 years old in (19)47, so when did he attain the age of 100 years? It is completed in (19)87. As per the statement 'Brahma finishes in the world of death [in 100 years], which world does that soul reach in (19)88-89? He goes to the world of immortal ones (*amarlok*). The picture of that world of immortal ones has been shown in the scriptures. The picture of Krishna lying very comfortably in the womb-like palace on a *Peepal* leaf (fig leaf), suckling his thumb of remembrance is shown. Who is that *Peepal* leaf? The part (role) of *Jagdamba* is the *Peepal* leaf. (There is a saying) *Peepalpaat saras man dola* (The mind wavers just like the *Peepal* leaf). Just as the *Peepal* leaf keeps shaking whether there is a small wave of wind or not. Similarly, that soul shakes a lot, but the Father has promised, the boat (*naiyya*) may shake, but it will not sink because the boatman (*khivaiyya*) is the Father Himself. The sailor (*bithaiyya*) is the soul of Krishna himself. Who entered that womb-like palace in (19)88-89? The soul of Krishna, the soul of Brahma enters. And after entering, when 9-10 years are over in (19)98, it comes out of the palace-like womb. When it comes out... coming out means being revealed.

ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में एडवांस पार्टी में वो कृष्ण की आत्मा जेल से प्रत्यक्ष होती है। वो एक ही दिन है। जब 15 अगस्त का दिन होता है स्वतंत्रता दिवस। सच्ची स्वतंत्रता कब होती है? संगमयुगी कृष्ण के टाइम पर सच्ची स्वतंत्रता कहें या सन् 47 में सच्ची स्वतंत्रता कहें? सन् 47 वाली स्वतंत्रता तो परतंत्रता हो गई भारतवासियों के लिए। तो पहली स्वतंत्रता तब हुई जब संगमयुगी कृष्ण उर्फ, कौन? रामवाली आत्मा जिसमें प्रवेश हो करके कृष्ण की आत्मा जेल से प्रत्यक्ष होती है, मुक्त हो जाती है, उस दिन जन्माष्टमी भी होती है। और उसी दिन 15 अगस्त भी होता है। फिर बाद में अव्यक्त वाणी में बोला कि इस बच्चे के द्वारा ही बाप प्रत्यक्ष होते हैं। बाप बच्चों के सामने प्रत्यक्ष होंगे या दुनिया वालों के सामने प्रत्यक्ष होंगे? बाप बच्चों के आगे प्रत्यक्ष हो गया। उस समय अव्यक्त वाणी में बोला। और दुनिया वालों के सामने गुप्त हो गया। माना ब्राह्मणों की दुनिया में जो ब्राह्मण बच्चे हैं वो जानते हैं, नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार कि वहां बाप कब और कहां कैसे पार्ट बजाय रहा है? बाकि जो कच्चे ब्राह्मण हैं बेसिक वाले या दुनिया वाले वो नहीं जानते हैं कि बाप अभी साकार में प्रेक्टिकल पार्ट बजा रहा है। तो वह संगमयुगी कृष्ण की बात है। लेकिन वो पक्का ब्राह्मण का जन्म नहीं कहेंगे।

That soul of Krishna is revealed from the jail in the advance party within the Confluence Age world of Brahmins. That is the only day, when it is 5<sup>th</sup> August, the Independence Day. When does one achieve true independence? Should it be said to be the true independence at the time of the Confluence Age Krishna or should it be said to be the true independence in the year (19)47? The independence in the year (19)47 became a kind of slavery for the Indians. So, the first independence was achieved when the Confluence Age Krishna alias, who? Alias the soul of Ram, in whom the soul of Krishna enters and is revealed from the jail, he becomes free. It was also a day of *Janmashtmi* (birthday of Krishna). Moreover, on same day it was 15<sup>th</sup> August (the Independence Day of India) as well. Then later on it was said in an *Avyakta Vani* that the Father is revealed only through this child. Will the Father be revealed before the children or will He be revealed in front of the people of the world? The Father was revealed in front of the children.... it was said in an *avyakta vani* at that time. ... and He became incognito in front of the people of the world. It means that the Brahmin children in the world of Brahmins know as per their numberwise *purusharth* (special effort for the soul) , when, where and how the Father played His part? As regards the weak Brahmins, in the basic (knowledge) or the people of the world, they do not know that the Father is now playing His part in practical in the corporeal form. That is about the Confluence Age Krishna. But it will not be called the birth of a true Brahmin.

ब्राह्मण पक्का कब कहा जाता है? गर्भ से जन्म लेने से ही पक्का ब्राह्मण हो जाता है, ब्राह्मण बच्चा कहा जाता है। या यज्ञोपवित धारण करता है तब पक्का कहा जाता है? यज्ञोपवित धारण करे। माने ज्ञान के तीन सूत्र धारण कर ले। कौन से तीन सूत्र? ब्रह्मा द्वारा कैसे नई दुनिया की स्थापना होती है? शंकर द्वारा कैसे ब्राह्मणों की पुरानी दुनिया का संघार होता है? पुरानी दुनिया में कुम्भकरण, रावण, मेघनाथ सम्प्रदाय वाले आसुरी ब्राह्मण भी होंगे या नहीं होंगे? होंगे ना। और भारी से भारी तादाद में होंगे या थोड़े होंगे? भारी से भारी तादाद में होते हैं। और गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र जैसे श्रेष्ठ ब्राह्मण, पुरुषार्थी ब्राह्मण थोड़े होते हैं जिनको एडवांस पार्टी कहा जाता है। तो दो गुप हो जाते हैं ब्राह्मणों के। उनमें जो पक्का ब्राह्मण, जो कृष्ण के रूप में संगमयुग में पार्ट बजाने वाला है। वह तब कहा जाता है जब संसार में प्रत्यक्षता हो संगमयुगी कृष्ण की।

When is a Brahmin said to be real (Brahmin) ? Is he called a real Brahmin as soon as he takes birth through a womb, is he said to be a Brahmin child or is he said to be a real (Brahmin), when he wears the holy thread (*yagyopavit*). He should wear the *yagyopavit*, it means that he should wear the three threads of knowledge. Which three threads? [The knowledge of] how is the new world established through Brahma? How does the destruction of the old world of Brahmins take place through Shankar? Will there be demoniac Brahmins from Kumbhakarna, Ravan, Meghnad's community too in the old world or not? They will be there, won't they? In addition, will they be in large numbers or will they be few? They will be in large numbers. And righteous *purusharthi* (makers of special effort for the soul) Brahmins like *Guru Vashishth* and *Vishwamitra* are very few, who are called the advance party. So, there are two groups of Brahmins. Among them the one who is going to play the part in the form of Krishna in the Confluence Age is said to be the real Brahmin at the time when the Confluence Age Krishna is revealed in the world.

बाप बच्चे के द्वारा प्रत्यक्ष होते हैं। माना संगमयुगी कृष्ण जब तक प्रत्यक्ष न हो तब तक शिवबाप की भी प्रत्यक्षता नहीं हो सकती। बाप का ये विरुद्ध है फादर शोज़ सन , और बच्चों का विरुद्ध है सन शोज़ फादर। ज्यादा पावरफुल कौन है? बाप ज्यादा पावरफुल है। तो बाप बच्चे को पहले प्रत्यक्ष करता है। लेकिन तब प्रत्यक्ष करता है जब वो तीन ज्ञान के सूत्र पूरे-पूरे धारण कर ले जीवन में, अगर धारणा प्रत्यक्ष नहीं होती है तब तक वो बच्चा भी प्रत्यक्ष नहीं हो सकता और बाप भी संसार में प्रत्यक्ष नहीं हो सकता। तो वह 18, 2018 का टाइम निश्चित होता है। इसलिए मुरली में बोला है 18, 20 वर्ष लगते हैं कृष्ण को राज्य गद्दी पाने में। क्या? वह कहाँ के लिए बोला है? संगम युग की बात बोली या सतयुग की बात बोली? संगम की बात बोली। प्रत्यक्षता हो जावेगी तो सारी दुनिया सर झुकावेगी , मानेगी। कि यह विश्व पिता बनने वाला है, विश्व का मालिक है। तो संगमयुगी कृष्ण के लिए बात है कि उसके माँ बाप कहाँ है? जेल में है। अभी भी विकारों के जेल में है। विकारों के जेल से मुक्त नहीं हुए। उनको ज्यादा पावरफुल नहीं कहेंगे। पावरफुल कृष्ण है या कृष्ण के माँ-बाप। कृष्ण ज्यादा पावरफुल है।

The Father is revealed through the child. It means that until the Confluence Age Krishna is revealed, the Father Shiv cannot be revealed too. It is the Father's promise that the Father shows sons, and the children's promise is that the sons show the Father. Who is more powerful? The Father is more powerful. So, the Father reveals the children first. But He reveals them when they assimilate all the three threads of knowledge completely in the life. Until the assimilation is not revealed, that child cannot be revealed and the Father cannot be revealed in the world either. So, that time of (20)18, 2018 is fixed. That is why it has been said in the *Murli* that it takes 18, 20 years for Krishna to ascend the throne. What? For when has it been said? Has it been said about

the Confluence Age or about the Golden Age? It was said about the Confluence Age. When the revelation takes place, then the people of entire world will bow their heads and accept that this is the one who is going to become the world father (*vishwapita*), he is the master of the world. It is about the Confluence Age Krishna that his parents... where are they? They are in the jail. They are even now in the jail of vices. They have not become free from the jail of vices. They will not be said to be more powerful. Is Krishna powerful or are the parents of Krishna powerful? Krishna is more powerful.

**जिज्ञासु** – बाबा एक कैसेट में बोला है कि सतयुग में वस्त्र भी नहीं होगा जो वायब्रेशन फैलाये?

**बाबा**— आत्मा नंगी है या वस्त्र वाली है? नंगी है। उसका वस्त्र कौन-सा है? सतयुग में जो आत्मा नंगी होती है... अभी भी आत्मा नंगी है लेकिन कोई अपन को आत्मा समझता नहीं है। अभी हमने तो समझा है। समझा है या नहीं समझा है? समझा है आत्मा नंगी है। फिर जो बेसमझ है उनकी बुद्धि में स्थूल वस्त्र की बात होगी या बेहद के वस्त्र की बात होगी? बेहद के वस्त्र की बात आनी चाहिए ना। सतयुग में कौनसा वस्त्र होता है जो कंचन काया जैसा होता है? शरीर ही कंचन बन जाता है। वो ही वस्त्र है। वस्त्रों की जरूरत कब होती है? देह भान होता है, देहभान आता है फनफना के, तो दीवालें बनाते हैं। भाई कमरा बनाओं, पर्दे डालो कोई देख न ले हमारे देहभान को। यही होता है ना। तभी तो कपड़े पहनते हैं, पर्दे डालते हैं। शरीर में पर्दा क्यों डालते हैं? देहभान के कारण। अच्छा मकान क्यों बनाते हैं?

**Student:** Baba, it has been said in a cassette that there will not be any clothes in the Golden Age to spread any vibration.

**Baba:** Is a soul naked or clothed? It is naked. What is its cloth? The soul which is naked in the Golden Age....even now the soul is naked, but nobody considers himself to be a soul. Well, we have understood now. Have you understood or not? You have understood that the soul is naked; will those who are fools think of the physical dress or the clothes in an unlimited sense? The issue of the clothes in an unlimited sense should come to their mind, shouldn't it? Which is the dress that is like *kanchankaya* (golden body) in the Golden Age? The body itself becomes golden. That is the clothing. When does one need clothes? When there is more body consciousness, walls are built. (They say:) brother, build a room, hang curtains so that nobody can see our body consciousness. This very thing happens, doesn't it? Only then do they wear clothes, put-up curtains. Why do they curtain (i.e. dress) the body? (They dress) because of body consciousness. OK, why are buildings built?

सतयुग में न तो बरसात होगी ओलों की, पत्थरों की बरसात नहीं होगी। वहाँ बेहद गर्मी भी नहीं होगी और बेहद सर्दी भी नहीं होगी। तो मौसम की मार न होने के वजह से वहाँ कोई मकान की दरकार नहीं है और यहां? यहां तो मकानों की दरकार है। चलो, मौसम कहीं-कहीं इस दुनिया में सदाबहार भी है। लेकिन, मौसम तो सदाबहार है, फिर भी मकान बनाते हैं। किसलिए? देहभान के लिए। चोर-डकैत उससे तो सबको आज की दुनिया में डर है। तो सुरक्षा के लिए मकान बनाते हैं। तो ये स्थूल कपड़े और ये स्थूल मकान ये देवताओं की दरकार नहीं है, वहां संगठन रुपी किला बढ़िया होता है। वहां वस्त्र सोने जैसा वस्त्र होगा। कोई के अंदर देहभान नहीं होगा। तो अच्छी बात है या खराब बात है। अच्छी बात है।

In the Golden Age there will be no hailstorm, rain of stones. There will neither be extreme heat nor extreme cold. So, because of the absence of adverse weather there is no need for any houses there and what about here? Here houses are indeed needed; ok, in some parts of the world at this time the climate is evergreen. But although the climate is evergreen, they build houses. Why?

For (hiding) their body consciousness. Everyone in today's world certainly fears thieves and burglars. So, they build houses for security. So, the deities do not need these physical clothes and houses. The fort-like gathering is very good there. There the clothes (bodies) will be gold-like clothes. Nobody will be body conscious. So, is it a good thing or a bad thing? It is a good thing.

जिज्ञासू – बाबा आत्मारूपी सुई की कट उतरना माना क्या सम्पूर्ण बनना होता है?

बाबा— नहीं ये, बेसिक ज्ञान है तो बेसिकली कट उतरेगी या एडवांस में उतर जायेगी। हायर क्लास में हायर कट। कहते भी है, बेसिक में थे तो हमारी वृत्ति इतनी खराब नहीं होती थी। एडवांस में आ गये, ज्यादा ज्ञान मिल गया तो हमारी वृत्ति बहुत खराब होने लगी। अरे माया क्या कहती है? माया किससे ज्यादा युद्ध करती है? बड़े महारथी से रुस्तम बनकर के युद्ध लड़ती है। और जो छोटे-छोटे होते हैं तो साधारण युद्ध करती है।

**Student:** Baba does the removal of the cut (i.e. rust) of the needle-like soul mean becoming complete?

**Baba:** No, when the knowledge is basic, will the cut (i.e. rust) be removed basically or in an advanced form? Higher cut (will be removed) in higher class. They also say that when they were following the basic knowledge their vibrations didn't use to become so bad. When they started following the advance (knowledge), they received more knowledge, (they say), our vibrations have started spoiling. Arey, what does *Maya* say? With whom does *Maya* fight more? She fights with big *maharathis* (great warriors) like a hero. And she fights in an ordinary way with the small ones.

जिज्ञासू – साक्षात्कार से कोई फायदा भी नहीं, साक्षात्कार की कोई दरकार भी नहीं ।

बाबा – दरकार है सिर्फ निराकार शिव ज्योतिबिन्दू परमपिता परमात्मा को क्योंकि वो बाप बनकर प्रत्यक्ष नहीं हो सकता, आते ही। क्या? शिव इस सृष्टि पर आते ही किसी साकार तन के द्वारा अपने आप अपने को प्रत्यक्ष उस समय नहीं कर सकता है। जम दे जाम दे नहीं हो सकता है। हथेली पर आम नहीं जमाया जा सकता है। इसलिए वो साक्षात्कार की चाबी बाप किसी को नहीं देते हैं। अपने पास रखते हैं।

**Student:** There is no benefit in visions. There is no need visions either.

**Baba:** There is need (of visions) only to the incorporeal point of light Shiv Supreme Father Supreme Soul because He cannot be revealed in the form of a Father as soon as He comes. What? Soon after His arrival in this world, Shiv cannot reveal Himself through a corporeal body at that time. Rome was not built in a day . A mango tree cannot be grown on one's palm. That is why the Father does not give the key to visions to anyone. He keeps it with Himself.

समय – 46.08

जिज्ञासू – बाबा अष्टदेव अलग और अष्टरत्न अलग क्या बाबा?

बाबा— हाँ जी ।

जिज्ञासू – और उसमें भी आठ धर्म के बीज और इसमें भी आठ धर्म के बीज होते है क्या बाबा?

बाबा – जो अष्टदेव है वो देवता है और देवतायें 84 जन्म लेने वाले 16 कला सम्पूर्ण होते हैं। असल सूर्यवंशी होते हैं या कोई दूसरे धर्म में कनवर्ट होने वाले भी होते हैं? असल सूर्यवंशी होते हैं। सिर्फ आखिरी जन्म में जाकर माया उनको पछाड़ती है। इसलिए वो सूर्यवंश में से ही जो माला के बारह पहले मणके हैं उनमें से आठ मणके हैं, जो अष्टदेव कहे जाते हैं। वो देव हैं, सारे ही सूर्यवंशी। सब हीरो पार्टधारी हैं। सब हीरें हैं और रत्नों में कोई हीरा है तो कम

कीमत वाला, कोई माणिक्य है, कोई मूंगा है, कोई पन्ना है। कीमत उनकी कम होती जाती है या एक जैसे हैं? कम कीमत वाले हैं।  
जिज्ञासू— अष्ट रत्न अलग-अलग धर्म के हैं।  
बाबा — बिल्कुल।

**Time:** 46.08

**Student:** Baba are the eight deities (*ashta dev*) and the eight gems (*ashta ratan*) different Baba?

**Baba:** Yes.

**Student:** Baba, are the seeds of the eight religions included in both of them?

**Baba:** The eight deities are deities; and deities take 84 births and are complete in 16 celestial degrees. Are they true *Suryavanshis* (belonging to the Sun dynasty) or do they convert to any other religion as well? They are true *Suryavanshis*. *Maya* defeats them only in the last birth. That is why the eight beads among the first twelve beads of the rosary belonging to the Sun Dynasty are called the eight deities. They are deities; all those are *Suryavanshis*. All of them are hero actors. All of them are diamonds while among the gems someone is a diamond and someone is a gem with less value, someone is ruby (*manikya*), someone is a coral (*moonga*), and someone is an emerald (*panna*). Does their value keep decreasing or are all the gems of equal value? They have less value.

**Student:** The eight gems belong to different religions.

**Baba:** Definitely.

जिज्ञासू — बाबा, चंद्रमा जब सम्पूर्ण होने को होता है तो राहू उसे ग्रस लेता। इसका मतलब क्या है बाबा?

बाबा— इसका मतलब ये है चंद्रमा जब सम्पूर्ण होने को होता है तो फाइनल परीक्षा होती है, क्या? जब पूर्णमासी होनी होती है तो एक तरफ चन्द्रमा जो है वो अस्त होता है दूसरी तरफ सूर्य उदय होता है। यही होता है ना? एक तरफ सम्पूर्ण चन्द्रमा अस्त होने जाता है तो दूसरी तरफ ज्ञान सूर्य उदय होने जाता है। अभी चंद्रमा किसमें प्रत्यक्ष हो रहा है?

जिज्ञासू — ज्ञान सूर्य में।

**Student:** When the Moon is about to become complete(full moon), then *Rahu* (a heavenly body) devours it. Baba, what does it mean?

**Baba:** It means that when the Moon is about to become complete, the final exam takes place, what? When it is going to be full Moon, on the one side the Moon sets and on the other side the Sun rises. This is what happens, isn't it? On one side the full Moon is about to set and on the other side the Sun is about to rise. Now where is the Moon being revealed?

**Student:** In the Sun of knowledge.

बाबा — नहीं।

जिज्ञासू — जगदम्बा में।

बाबा — नहीं। जगदम्बा में तो बाद में प्रत्यक्ष होगा जब घनघोर मार काट मचायेगी, अनिश्चय बुद्धि बनेंगे, मरेंगे आसुरी संस्कार वाले। तब पता चलेगा कि जगदम्बा ने महाकाली का रूप धारण किया। अभी गुल्जार में कौन सी सोल पार्ट बजा रही है? ब्रह्मा की सोल पार्ट बजा रही है। कोई पूछते हैं ये गुल्जार दादी में ब्रह्मा कब तक आते रहेंगे। जैसे उनके ऊपर बड़ा भारी लोड़ पड़ गया। अरे, तब तक आवेंगे जब तक चंद्रमा सम्पूर्ण बने। एक तरफ सम्पूर्ण चंद्रमा बनेगा। और दूसरी तरफ सूर्य, सूर्य उदय होगा।



**Baba:** No.

**Student:** In *Jagdamba*.

**Baba:** No. It will be revealed through *Jagdamba* later on when she will cause widespread beating and wounding. Those with demoniac *sanskars* will become the one having a doubtful intellect and die. Then they will know that *Jagdamba* has assumed the form of *Mahakali*. Now which soul is playing a part in *Gulzar (Dadi)*? The soul of Brahma is playing its part. Some ask, how long will Brahma keep coming in *Gulzar Dadi*? As if they are loaded with a big burden due to it. Arey, he will continue to come until the Moon becomes complete. On the one side the Moon will become complete and on the other side the Sun will rise.

जिज्ञासू – बाबा ब्रह्मा जो है तो वो धर्मराज का पार्ट बजायेंगे।

बाबा– बिल्कुल! प्यार का पार्ट किसने बजाया?

जिज्ञासू – प्यार का पार्ट तो बजाया।

बाबा– बजाया। जो प्यार का पार्ट बजायेगा वो मारेगा नहीं? उसने तो प्यार का पार्ट बजाया और बच्चों ने उसकी जान ले ली।

जिज्ञासू – तो बच्चों ने जान ले ली। बच्चों ने बाबा को थोड़ी तकलीफ दी।

बाबा– थोड़ी तकलीफ दी, जान ले ली और थोड़ी तकलीफ हो गई।

जिज्ञासू – जान ली और उन्होंने ज्यादा तकलीफ दी।

बाबा – ज्यादा तकलीफ दी।

**Student:** Baba, Brahma will play the part of *Dharmaraj*.

**Baba:** Definitely! Who played the part of love?

**Student:** He played the part of love.

**Baba:** He played it. Will the one who played the part of love not beat? He indeed played the part of love and children took his life.

**Student:** So, children took his life. Children gave Baba some trouble.

**Baba:** Some trouble? They took his life and (you say that) they gave **some** trouble.

**Student:** (O.k.) they took his life and they gave more troubles.

**Baba:** They gave more trouble.

जिज्ञासू – धर्मराज का पार्ट बजायेंगे।

बाबा – देखो जो प्यार का पार्ट बजायेगा अति का। वो अति की मार का भी पार्ट बजायेगा, हिसाब-किताब पूरा नहीं करेगा? ब्रह्मा वाली सोल जिसने इतना सहन किया। इन आसुरी बच्चों का, जिन आसुरी बच्चों ने ब्रह्मा की गोद में पालना ली। वो सूर्यवंशी बच्चे नहीं थे। कौन से बच्चे थे? चद्रवंशी थे, इस्लामवंशी थे, बौद्धिवंशी थे और वो अभी भी पालना ले रहे हैं।

जिज्ञासू – ये तो ठीक है बाबा।

बाबा – तो जिन्होंने इतनी पालना ली और वो कर्म क्या कर रहे हैं अभी तक? भीख मांग रहे हैं या नहीं? मांगने से मरना भला। तो ऐसे तो मुये भले, वो कुपत्ता बच्चा, बाप क्या कहेगा? जो बाप का नाम बदनाम करे। ऐसा तो बच्चा मुआ भला। हाँ अब बताईए क्या कह रहे हैं।

**Student:** He will play the part of *Dharmaraj*.

**Baba:** Look, the one who plays the part of too much love will also play the part of too much beating. Will he not clear the *karmic* accounts? The soul of Brahma who tolerated so much these demoniac children; the demoniac children who received sustenance in the lap of Brahma. They were not *Suryavanshi* children. Which children were they? They were *Chandravanshi* (belonging to the moon dynasty), *Islamvanshi* (those of the Islam dynasty), *Baudhivanshi* (those of the Buddhist dynasty); and even now they are receiving sustenance.

**Student:** That is all right Baba.

**Baba:** So, those who received so much sustenance and what actions are they still performing? Are they not still begging? It is better to die than to beg. So, it is better if they die. What will the father say (about) the spoilt child. The child who brings a bad name to the father, it is better if such a child dies. Yes, now please continue, what were you saying?

जिज्ञासू – कहने का भाव तो इतना सा ही था कि जैसे अभी भक्तिमार्ग में बोलते कि बदले की भावना नहीं होना। कोई कुछ भी करे—2। तो फिर ये बदले की भावना में नहीं गिना जाता? ये बदले की भावना में नहीं गिना जाता?

बाबा— धर्मराज का जो पार्ट है... वो पापों को खत्म नहीं करेगा? अरे पापों को खत्म करना अच्छा काम है या बदला ले लिया? तो काहे के लिए। अरे पाप खत्म होंगे तभी तो बाप के घर में जायेंगे कि ऐसे ही चले जायेंगे।

जिज्ञासू – ये एक दो की बात है या सबके लिए?

बाबा— ये सभी के लिए है, आठ के लिए नहीं है।

**Student:** What I wanted to say was that just as now in the path of devotion (*bhakti*) people say that you should not have a feeling of revenge; whatever anyone may do (to you). So, is this not counted as a feeling of revenge. Is this not counted as a feeling of revenge?

**Baba:** Wom't the part of *Dharmaraj* end the sins. Arey, is it good to end the sins or will it be called taking revenge? So, for what (is this question)? Arey, you will go to the Father's home only when your sins end or will you simply go there?

**Student:** Is it applicable to one or two (souls) or to everyone?

**Baba:** This is for everyone, not (just) for eight.

समय – 1.01.03

जिज्ञासू – बाबा अव्वल नम्बर के जो भक्त होते हैं नारद और मीरा का जो मिसाल दिये वो कौन हैं बाबा?

बाबा – मीरा कहते हैं शाहजादी को और नारद कहा जाता है – नार माना जल, ज्ञान जल और द माने देने वाला। क्या? जो सिर्फ ज्ञान जल देता है लेकिन खुद स्वर्ग में ठरहाता नहीं है दुनिया में घूमता रहता है कांटो के जंगल में।

**Student:** Baba, the number one devotees, the example of *Narad* and *Meera* which have been given, who are they Baba?

**Baba:** '*Meera*' means a princess. '*Narad*' means – '*Naar*' means the water of knowledge and '*da*' means 'giver'. What? The one who gives just the water of knowledge, but himself does not stay in heaven. He keeps roaming in the world, in the jungle of thorns.

.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.